DESHABANDHU MAHAVIDYALAYA, CHITTARANJAN

NAAC Accredited B + College
(Affiliated to Kazi Nazrul University)
Recognised Under Section 2(f) & 12(B) of UGC
P.O. – Chittaranjan, District – Paschim Bardhaman, West Bengal, India, PIN – 713 331

Name of the Workshop/Seminar : Premchand ki sahitik virasat
Number of Participants : 100
Date: 16/08/2022
Report of the event:

Dated 16th August 2022 Premchand jayanti celebrated in Deshabandhu Mahavidyalaya. By the department of Hindi. Two speakers from outside took part 1) Dr. Mahendra Prasad khuswaha and 2) Dr. Krishna Kumar Srivastava of Kashi Hindu vishvavidyalaya and Asansol girl's college respectively. Students (Taniya, Minu, Sakshi, Nikhar and others) took part in opening song. Other students took part in discussion. Principal Tridip santapa Kundu and IQAC coordinator Dr Apurva kr Roy present in the seminar. Departmental teacher Kalpana pant anchor the event while Renu Ojha took part in the opening song. Dr. Jotimay Bag dept. head end the program with vote of thanks.

Additional Information:

हिंदी साहित्य के विकास में मुंशी प्रेमचंद का योगदान अहम : महेंद्र कुशवाहा

प्रेमचंद का साहित्यिक अवदान विषय पर देशबंधु महाविद्यालय में परिसंवाद का हुआ आयोजन

विद्यार्थियों के साथ उपस्थित शिक्षक.

रूपनारायणपुर. काशी हिंदू विश्विद्यालय के सहायक प्रोफेसर डॉ. महेंद्र कुशवाहा ने कहा कि हिंदी साहित्य के विकास में मुंशी प्रेमचंद का बहुत बड़ा योगदान रहा है. प्रेमचंद्र हिंदी के उन विरले लेखकों में से एक हैं, जिन्होंने अपनी लेखनी के माध्यम से अपने समय में हो रहे बदलाव के अनुसार साहित्य की रचना की. हिंदी भाषा और साहित्य को लोकप्रिय बनाने के लिए उन्होंने भाषा की सहजता को अपनाया. मंगलवार को देशबंधु महाविद्यालय चित्तरंजन में हिंदी विभाग द्वारा ' प्रेमचंद्र का साहित्य अवदान' विषय पर आयोजित परिसंवाद में श्री कुशवाहा ने ये बातें कहीं.

कार्यक्रम का उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. त्रिदीप संतपा कुंडू ने किया. आईक्यूएसी संवाहक डॉ. अपूर्व राय ने इस आयोजन को विद्यार्थियों के लिए अहम बताया. विषय प्रवर्तन व स्वागत वक्तव्य हिंदी के विभागाध्यक्ष डॉ. ज्योतिमय बाग ने किया

डॉ. कुशवाहा ने कहा कि जब हम प्रेमचंद की भाषा पर बात करते हैं तो हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि वे जब लिख रहे थे तो हिंदी गद्य का वह शुरुआती दौर था. सहृदय सामाजिक के हृदय में घर कर गई साहित्य की लोकप्रिय, विधा कविता के सामने अपनी उपादेयता सिद्ध करना था. प्रेमचंद ने अपनी लेखनी के बल पर इस कार्य को जितनी सफलता से मुकाम तक पहुंचाया, वह काबिले तारीफ़ है. यह प्रेमचंद की लेखनी का ही परिणाम है कि आचार्य शुक्ल जैसे कविता के गंभीर समर्थक को भी आधुनिक काल को 'गद्य काल' कहना पड़ा.

आसनसोल गर्ल्स कॉलेज में हिंदी के विभागाध्यक्ष डॉ. कृष्ण कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि प्रेमचंद का पूरा साहित्य गुलामी के खिलाफ एक सात्विक संघर्ष था. उनका साहित्य भारत में अंग्रेजी राज की कटुतम आलोचना है. गुलामी से हम मुक्त हुए, अंग्रेजी राज से निजात मिली, किंतु किसान, स्त्री, दलित, सांप्रदायिकता, शिक्षा के मुद्दे प्रेमचंद के समय से और विकराल व विकृत रूप में हमारे समय में मुंह बाए खड़े हैं. इन संदर्भों में प्रेमचंद का साहित्य और अधिक चटख रूप में हमारे समय में प्रसंगिक हो उठा है, यह हमारे लिए शर्म की बात है. उन्होंने इन मुद्दों पर प्रेमचंद के विचारों को क्रमशः रेखांकित किया. कार्यक्रम का संचालन विभाग की प्राध्यापिका डॉ. कल्पना पंत ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन रेणु ओझा ने किया. डी. ए. बी. पब्लिक स्कूल, रूपनारायणपुर, चित्तरंजन हाई स्कूल, और के. जी स्कूल के विद्यार्थी और शिक्षक भी उपस्थित रहें.

Phone: 0341-2525449
FAX No : 0341-2525449
Website: www.dbmcrj.ac.in
Email: principal@dbmcrj.ac.in

DESHABANDHU MAHAVIDYALAYA, CHITTARANJAN

NAAC Accredited B + College

(Affiliated to Kazi Nazrul University)

Recognised Under Section 2(f) & 12(B) of UGC

P.O. – Chittaranjan, District – Paschim Bardhaman, West Bengal, India, PIN – 713 331

Geo Tagged Photos:

(Tridib Santapa Kundu)
Principal

Principal
Deshabandhu Mahavidyalaya
Chittaranjan

Phone: 0341-2525449
FAX No : 0341-2525449
Website: www.dbmcrj.ac.in
Email: principal@dbmcrj.ac.in